मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

BSKAE–181

बी. ए. (ऑनर्स) संस्कृत/बी. ए. (सामान्य)

(बी. ए. एस. के. एच./बी. ए. जी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2025

बी.एस.के.ए.ई.–181 : भारतीय ज्ञान परम्परा

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। यह प्रश्न-पत्र तीन खण्डों में विभाजित है। दिए गए निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के उत्तर अंग्रेजी* ***या*** *हिन्दी* ***या*** *संस्कृत में हों परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही भाषा हो।*

खण्ड—क

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***तीन*** *प्रश्नों के उत्तर लिखिए।*

3×20=60

1. 'वेद' शब्द का अर्थ बताते हुए वेदों का काल-निर्धारण एवं ऋग्वेद संहिता का विस्तारपूर्वक परिचय दीजिए।

2. न्याय सभा, राजकीय न्यायालय तथा अर्थशास्त्र में वर्णित राजकीय न्यायालय का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

3. बौद्ध साहित्य में वर्णित ज्ञान की परम्परा का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

4. 'ब्राह्मण' शब्द का अर्थ बताते हुए उनका देश, काल तथा उनके प्रतिपाद्य विषयों का विस्तृत रूप से वर्णन कीजिए।

5. बौद्ध साहित्य में वर्णित आयुर्विज्ञान, मनोविज्ञान एवं वास्तु विज्ञान का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

6. 'वेद' शब्द का अर्थ बताते हुए वेदांगों का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

खण्ड—ख

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***दो*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

$2 \times 10 = 20$

7. 'आरण्यक' शब्द का अर्थ बताइए तथा उनके उद्‌भव, रचयिता एवं प्रतिपाद्य विषयों पर प्रकाश डालिए।

8. उपनिषदों का परिचय देते हुए उनका अर्थ, रचनाकाल, रचयिता एवं प्रतिपाद्य विषयों को स्पष्ट कीजिए।

9. भारतीय सामाजिक संस्थानों के विषयक्षेत्र का वर्णन कीजिए।

खण्ड—ग

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : 4×5=20

(क) शिक्षा व्यवस्था

(ख) सप्तांग सिद्धान्त

(ग) षाड्गुण्य

(घ) बौद्धकालीन मनोविज्ञान

(ङ) वास्तु विज्ञान

(च) षोडश संस्कार

(छ) बौद्धकालीन आयुर्विज्ञान

× × × × ×